पर्यावरण बने राजनीतिक एजेंडा

जल संसाधन मंत्री सलमान खुर्शीद ने किया आह्वान

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के सवाल को अब राजनैतिक मुद्दा बनाने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। पर्यावरण प्रेमी संगठन समय-समय पर यह मुद्दा उठाते रहे हैं, लेकिन बुधवार को केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सलमान खुर्शीद ने इस बारे में खुद पहल करते हुए कहा कि भारत में जलवायु परिवर्तन को राजनैतिक मुद्दा बनाने की जरूरत है।

खुर्शीद ने कहा कि देश में यदि कोई राजनेता जलवायु परिवर्तन को लेकर गैर जिम्मेदाराना काम करता है तो भी उसे चुनाव हारने का खतरा नहीं रहता। दूसरी ओर, यदि कोई नेता इस मामले में बेहतर काम भी करे तो भी उसके चुनाव जीतने की गारंटी नहीं है। सतत विकास पर आठवें सीईओ फोरम के सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम इस बारे में सोचना शुरू करें। भारत में बड़ी आबादी है जो पर्यावरण, इकोलॉजी (पारिस्थितिकी) और जलवायु परिवर्तन के खतरे को बखूबी समझती है, लेकिन यह मुद्दा आज भी ऐसा नहीं है कि इसके सहारे राजनीति की जा सके। सम्मेलन में खुर्शीद के इन विचारों का लगभग सभी वक्ता समर्थन करते नजर आए। वास्तव में अभी तक पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन के मुद्दे को किसी भी बड़ी राजनैतिक पार्टी के एजेंडे में जगह नहीं मिल पाई है।

दिल्ली सतत विकास सम्मेलन आज से

ऊर्जा और संसाधन इंस्टीट्यूट(टेरी) की पहल पर बुलाए इस सम्मेलन के बाद बृहस्पतिवार से 'दिल्ली सतत विकास सम्मेलन-2011' शुरू होने जा रहा है। तीन दिवसीय इस सम्मेलन का उदघाटन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह करेंगे। इसमें विश्वभर से आने वाले प्रतिनिधि तीन दिन तक इस बारे में विचार करेंगे कि जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के साथ ही ऐसा विकास किस तरह हो जो लंबे समय तक टिकाऊ हो। नोबल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर जोसेफ स्टिग्लिट्ज (कोलंबिया यूनिवर्सिटी), डॉ. युआन सेह ली (ताइवान) और प्रोफेसर जेम्स ए मिरलेस के अलावा मशहूर अर्थशास्त्री लॉर्ड मेघनाद देसाई भी सम्मेलन को संबोधित करेंगे।